

**अनक्षर वि.** (तत्.) 1. निरक्षर 2. बिना शब्द-प्रयोग किए, बिना शब्द-उच्चारण किए **वि.** 1. गूँगा 2. मूर्ख। **पुं.** (तत्.) दुर्वचन, गाली।

**अनक्षि वि.** (तत्.) 1. खराब आँख 2. बिना आँख वाला।

**अनख पुं.** (तत्.) 1. झुँझलाहट, नाराजगी 2. क्रोध 3. अनिच्छा 4. असंतोष **वि.** 2. बिना नाखून का, नखहीन।

**अनखना क्रि.वि.** (तद्.) 1. क्रोध करना, क्रोधित होना 2. रुष्ट होना।

**अनखा पुं.** (तद्.) काजल की बिंदी, डिठौना।

**अनखाना स.क्रि.** (तद्.) अप्रसन्न करना, नाराज करना, खिझाना **अ.क्रि.** अप्रसन्न होना, किसी पर क्रोध करना।

**अनखारी वि.** (तद्.) अनख करने वाली, अप्रसन्न होने वाली, खीझने वाली।

**अनखाहट स्त्री.** (तद्.) 1. अनखने या क्रोध दिखलाने की क्रि या 2. खीझ।

**अनखी वि.** (तद्.) क्रोधी, जो जल्दी क्रोधित हो, गुस्सावर।

**अनखुला वि.** (तत्.) 1. जो खुला न हो, बंद 2. जिसका कारण प्रकट न हो, गुप्त।

**अनखेला अग्रण पुं.** (तत्.) बिना खेले ही अगले चक्र में स्वतः प्रवेश की स्थिति *bye pass*

**अनखौहां वि.** (तद्.) 1. क्रोध से भरा हुआ, कुपित 2. रुष्ट 3. चिड़चिड़ा।

**अनगढ़ वि.** (तद्.) 1. बिना गढ़ा हुआ 2. अपरिष्कृत, असंस्कृत 3. बेतुका, बेसिर-पैर का 4. बेडौल, बेढंगा 5. स्वयंभू।

**अनगना सं.क्रि.** (तद्.) 1. ढका हुआ 2. छाजन में टूटे हुए खपड़ों के स्थान पर नए लगाना **वि.** (तद्.) 1. जो गिना न गया हो, न गिना हुआ 2. अगणित, बहुत।

**अनगाना अ.क्रि.** (तद्.) 1. विलंब करना, देर करना 2. टालमटोल करना **स.क्रि.** (तद्.) सँवारना, सुलझाना (केश आदि)।

**अनगाया वि.** (तद्.) 1. जिसे गाया न गया हो। अनगाया गीत 2. जिसने (गीत आदि) गाया न हो।

**अनगार वि.** (तत्.) गृहहीन, बिना अगार या घर का। **पुं.** (तत्.) घूमने फिरनेवाला संन्यासी।

**अनगिन वि.** (तद्.) दे. अनगिनत।

**अनगिनत वि.** (तत्.) जिसकी गिनती न हो, अगणित, असंख्य, बहुत।

**अनगिना, अनगिने वि.** (तद्.) 1. जो गिना न गया हो 2. असंख्य।

**अनगुथा वि.** (तद्.) जो गूँथा या पिरोया न गया हो।

**अनग्नि वि.** (तत्.) अग्निहोत्र न करने वाला। **पुं.** अग्नि से भिन्न पदार्थ, अग्नि का अभाव।

**अनग्निदग्ध वि.** (तत्.) जिसका शव अंत्येष्टि कर्म द्वारा जलाया न गया हो, जिसे गाड़ा गया हो या यों ही छोड़ा गया हो।

**अनघ वि.** (तत्.) 1. अघ अर्थात् पाप से रहित, निष्पाप, पातकरहित 2. निर्दोष, बेगुनाह 3. पवित्र, शुद्ध **पुं.** (तत्.) 1. वह जो पाप न हो 2. पुण्य।

**अनघड़ी स्त्री.** (तत्.) 1. कुघड़ी, असमय, बेवक्त, बेमौका 2. कुसमय।

**अनघोर पुं.** (तत्.) अत्याचार, ज्यादाती, अंधेर।

**अनघोरी क्रि.वि.** (तद्.) 1. अचानक 2. चुपके से।

**अनचाखा वि.** (तद्.) 1. जो चखा न गया हो, जिसका स्वाद न लिया गया हो, अनास्वादित। 2. लाक्ष. जो अपने अनुभव में न आया हो।

**अनचाहत वि.** (देश.) 1. न चाहने की स्थिति 2. प्रेमविहीनता **पुं.** (तद्.) न चाहनेवाला या प्रेम न करनेवाला व्यक्ति।